


---

# vishvakarmAShTakam 1

——  
विश्वकर्माष्टकम् १

——  
Document Information



---

Text title : vishvakarmAShTakam 1

File name : vishvakarmAShTakam1.itx

Category : aShTaka, deities\_misc

Location : doc\_deities\_misc

Proofread by : Sunder Hattangadi, PSA Easwaran

Latest update : July 8, 2017

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.


---

March 3, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



——  
विश्वकर्माष्टकम् १



निरञ्जनो निराकारः निर्विकल्पो मनोहरः ।  
निरामयो निजानन्दः निर्विघ्नाय नमो नमः ॥ १ ॥

अनादिरप्रमेयश्च अरूपश्च जयाजयः ।  
लोकरूपो जगन्नाथः विश्वकर्मन्त्रमो नमः ॥ २ ॥

नमो विश्वविडाराय नमो विश्वविडारिणे ।  
नमो विश्वविधाताय नमस्ते विश्वकर्मणे ॥ ३ ॥

नमस्ते विश्वरूपाय विश्वभूताय ते नमः ।  
नमो विश्वात्मभूथात्मन् विश्वकर्मन्त्रमोऽस्तु ते ॥ ४ ॥

विश्वायुर्विश्वकर्मा य विश्वमूर्तिः परात्परः ।  
विश्वनाथः पिता यैव विश्वकर्मन्त्रमोऽस्तु ते ॥ ५ ॥

विश्वमङ्गलमाङ्गल्यः विश्वविद्याविनोदितः ।  
विश्वसञ्चारशाली य विश्वकर्मन्त्रमोऽस्तु ते ॥ ६ ॥


विश्वैकविधवृक्षश्च विश्वशाभा मडाविधः ।  
शाभोपशाभाश्च तथा तद्भूक्षो विश्वकर्मणः ॥ ७ ॥

तद्भूक्षः कुलसम्पूर्णाः अक्षोत्स्यश्च परात्परः ।  
अनुपमानो ब्रह्माण्डः बीजमोडुारमेव य ॥ ८ ॥

एति विश्वकर्माष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Sunder Hattangadi, PSA Easwaran

pdf was typeset on March 3, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

